Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

B.A. Darshan, Semester : Second
Darshan ; Paper : Second

सांख्यदर्शनम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. सांख्यदर्शनानुसार विवेकज्ञान-साधनों को आख्यायिकाओं के माध्यम से प्रस्तुत करें।
2. महर्षि कपलि के अनुसार मुक्ति का स्वरूप क्या हैं?
3. सांख्यदर्शनानुसार भूतादि से अतिरिक्त आत्मा का अस्तित्व है, प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
4. आत्मसाक्षात्कार के उपाय को सुनने से पूर्ण सफलता प्राप्त नहीं होती, आख्यायिकाओं के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।
5. सांख्यदर्शनानुसार अविद्या के योग से ब्रह्म के उपादान न होने का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. मन अणुपरिणाम का है, सिद्ध करें।
7. कौन-सी वस्तु नित्य और कौन-सी वस्तु अनित्य है, स्पष्ट करें।
8. सांख्यदर्शनानुसार जब प्रकृति, पुरूष के भेद से अपवर्ग की प्राप्ति होती है, तब, लौकिक, वैदिक कर्मों का अनुष्ठान करने की क्या आवश्यकता हैं? समझाइये।
9. सांख्यशास्त्र में कितने प्रकार के देहों का वर्णन हैं?
10. "बहुशास्त्रगुरूपासनेऽपि ....." सूत्र को पूरा कर, स्वशब्दों में विस्तार से वर्णन करें।
11. आसन के विषय में सांख्यकार ने क्या वर्णन किया है? प्रमाणपूर्वक बतायें।
12. व्याप्ति का स्वरूप क्या है तथा व्याप्ति के कितने भेद होते हैं? समझाइये।

----------x----------